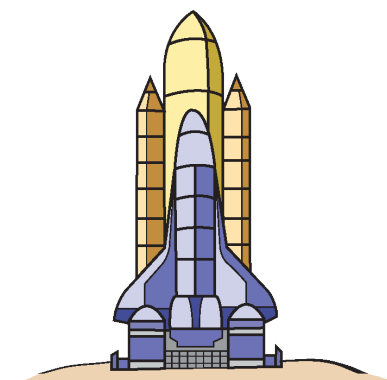
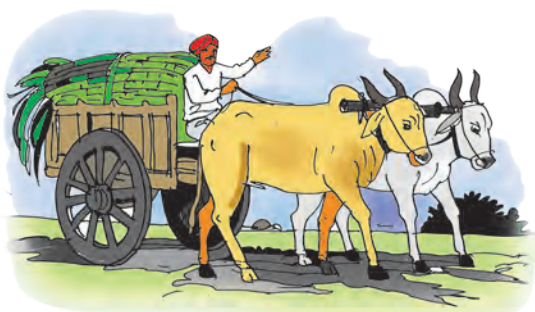
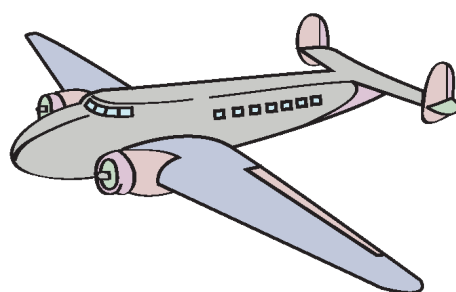




तीसरी इकाई





गीत - पढ़ो और गाओ :

२. बेमिसाल

- डॉ. शेरजंग गर्ग



जो कुछ भी हो बेमिसाल हो,
सुलझा-सुलझा हर सवाल हो,
नया रंग हो, नया हाल हो,
नए साल में यह कमाल हो ।

सच्चे जीतें, झूठे हारें,
देश-जाति का रूप निखारें,
सबका स्वागत करें बहारें,
केवल अच्छी बात विचारें ।

जो कुछ भी हो बेमिसाल हो,
नए साल में यह कमाल हो ।

पर क्या होगा, कहना मुश्किल,
मिल पाएगी कैसे मंजिल,
टूटेगा या खुश होगा दिल,
फिर भी सोचें-चाहें हिलमिल ।

जो कुछ भी हो बेमिसाल हो,
नए साल में यह कमाल हो ।





स्वाध्याय



१. सुनो और श्रुतलेखन करो :

- (१) सवाल - हाल - कमाल
- (२) हारें - निखारें - बहारें - विचारें



२. सुनो और दोहराओ :

- (१) बेटा-बेटी एक समान ।
- (२) लालच बुरी बला है ।
- (३) सुंदर अक्षर एक अलंकार है ।
- (४) जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान ।



३. सही शब्द चुनकर वाक्य पढ़ो :

- (१) यह / ये चट्टान है ।
- (२) वह / वे खड़ा है ।
- (३) यह / ये कमीजें हैं ।
- (४) वह / वे लड़कियाँ हैं ।



४. उचित शब्द बनाकर लिखो :

- (१) स आ न मा =
- (२) गि ब या =
- (३) त या ता या =
- (४) ग ब द र =



५. नया साल कब मनाते हो, बताओ ।



तुमने नए साल का
स्वागत कैसे किया ?

इस साल तुम्हें क्या
नया करना है ?

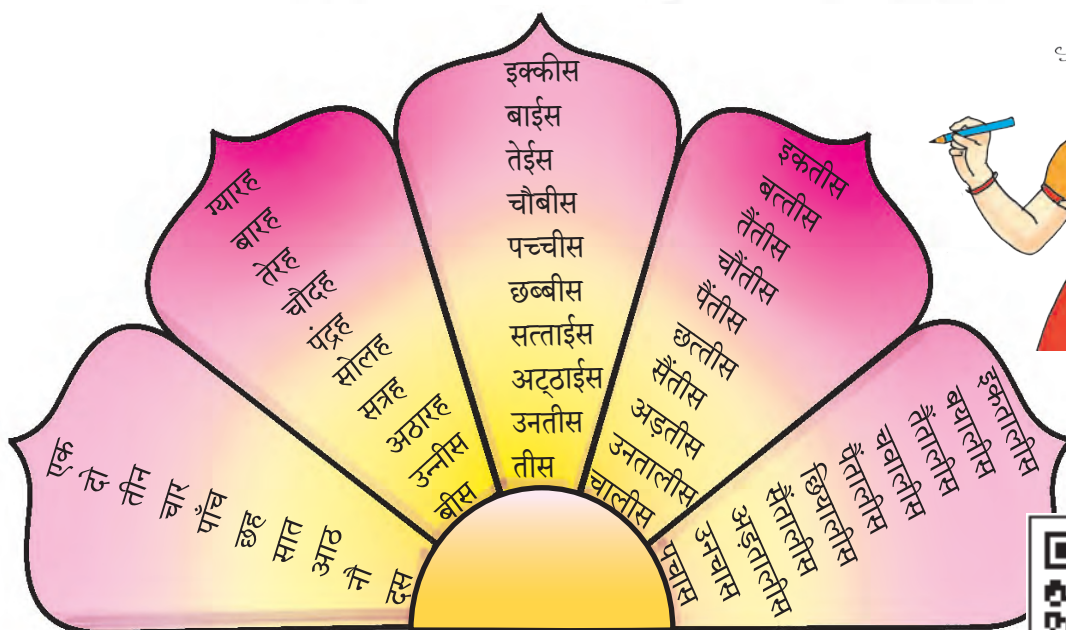




लेखन - देखो, समझो और लिखो :



३. ऊँट



HZRZPI

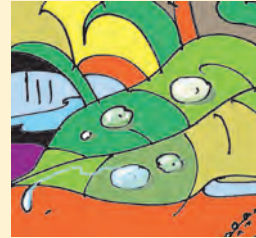


पहेली – पढ़ो और बताओ :

४. मैं कौन ?



वर्षा में या धूप में,
आऊँ सबके काम,
मुझको सिर पर तानते,
बूझो मेरा नाम ।



बाहर से साधु जैसी,
जटाधारी काया,
देह भले ही सख्त,
भीतर कोमल मन है पाया ।

सब लोगों का साथ सच्चा,
पूरे घर की करता रक्षा,
नाम है क्या मेरा तुम बोलो,
घर आओ तब मुझको खोलो ।



खुली रात में पैदा होती,
हरी घास पर सोती,
मोती जैसी मूरत मेरी,
बादल की मैं पोती ।

छह अक्षर का मेरा नाम,
आता हूँ खाने में काम,
आधा मैं फूलों में रहता,
आधा मेरा फलों का नाम ।



रंग-बिरंगी पोशाकोंवाली,
फूल-फूल पर उड़ने वाली,
सब के मन को भाने वाली,
उड़ान है उसकी बड़ी निराली ।

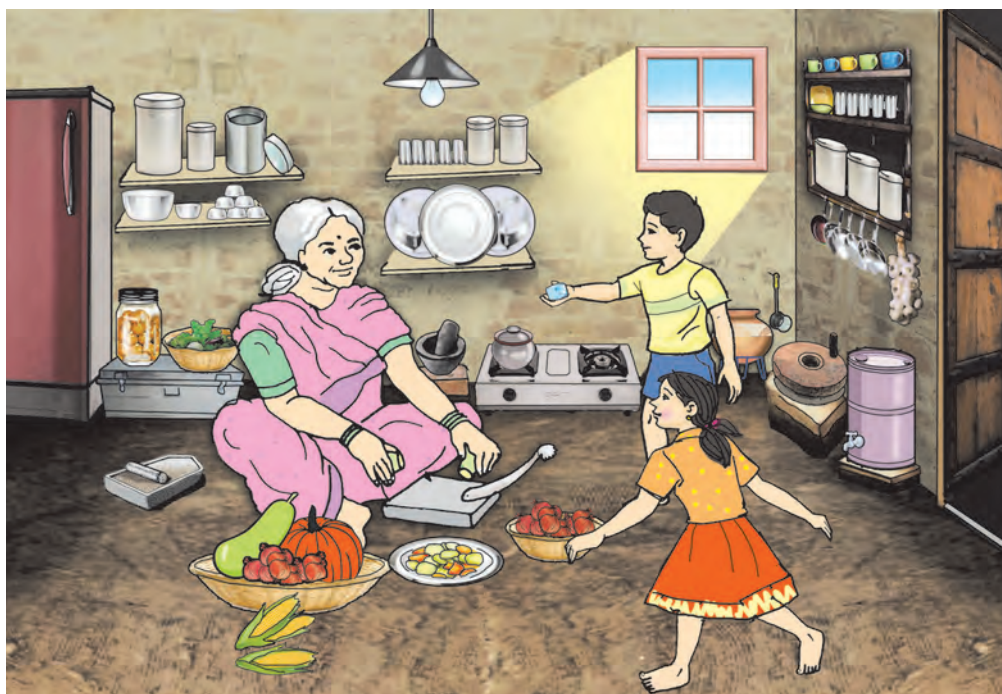




चित्र निरीक्षण – देखो, समझो और बताओ :



५. दादी अम्मा की रसोई



अम्मा : विट्ठल, मुस्कान आ गए तुम दोनों ?

मुस्कान : हाँ अम्मा ! प्रवीण और हर्ष भी हमारे साथ थे ।

विट्ठल : आज इफ्तिखार और अश्विन के साथ कबड्डी में आनंद आया ।

अम्मा : अच्छा ! मैं सब्जी काट रही हूँ । खाना बनाने में थोड़ा समय लगेगा ।

विट्ठल : जी अम्मा, तब तक हमें भुट्टा और डिब्बे में रखे लड्डू दे दो ।

अम्मा : हाँ ! ले लो न ! मैं चूल्हे पर कद्दू की सब्जी और भाकरी बनाती हूँ ।

मुस्कान : मुझे चटनी भी चाहिए, अम्मा ।

अम्मा : मुस्कान, सिलबट्टे पर चटनी कल बनाऊँगी ।

विट्ठल : मैंने ड्रम के पास रखे घड़े से पानी ले लिया ।

अम्मा : मुस्कान, घड़े का ढक्कन ठीक से रखना ।

बच्चो, भरपेट खाना खाकर अपनी पढ़ाई करो ।



स्वाध्याय



१. सुनो समझो और दोहराओ :

कद्दू	चूल्हा	भुट्टा	ड्रम	बर्फ	मुस्कान
लड्डू	चम्मच	फ्रिज	प्याज	गुफ्ती	विट्ठल
हर्ष	ढक्कन	पत्ते	प्रवीण	सब्जी	ट्रंक

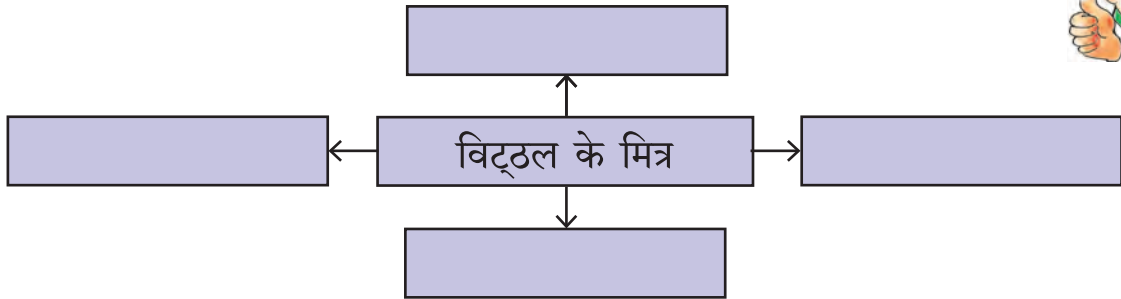


२. पढ़ो और समझो :

- (१) खुले में रखे खाद्य पदार्थ न खाएँ ।
- (२) तली हुई चीजों का अधिक सेवन न करें ।
- (३) सदैव स्वच्छ एवं भरपूर पानी पीएँ ।
- (४) प्रतिदिन व्यायाम करें ।



३. संजाल पूर्ण करो :



४. उत्तर लिखो :

- (१) कल सिलबट्टे पर बनेगी -
- (२) बच्चों ने खाने के लिए माँगा -



५. तुम अपने घर के कामों में सहायता करते हो, चर्चा करो ।

तुम्हें किसके साथ खाना
खाना अच्छा लगता है ?



तुम्हें खाने में
क्या-क्या पसंद है ?





निबंध – पढ़ो और समझो :

६. बरगद

– तेजल



बरगद एक विशाल वृक्ष है। इसका तना सीधा एवं कठोर होता है। इसकी शाखाओं से जटाएँ निकलकर हवा में लटकती हैं। इनको बरोह भी कहते हैं। इसकी पत्तियाँ दस से बीस सेंटीमीटर लंबी होती हैं। इसके पत्तों को तोड़ने पर सफेद और गाढ़ा दूध निकलता है। पत्तियाँ चौड़ी और लगभग अंडाकार होती हैं। इसका फल छोटा गोलाकार एवं लाल रंग का होता है। इसके अंदर बीज पाया जाता है। बरगद की जड़, जटा, छाल, पत्ता, फूल और फल सभी का उपयोग कर सकते हैं। इस पेड़ के सभी हिस्से औषधि गुण से भरपूर होते हैं। इसे सदाबहार वृक्षों की श्रेणी में रखा जाता है। यह पेड़ सैकड़ों वर्षों तक जीवित रहता है। इसकी ऊँचाई लगभग इक्कीस मीटर लंबी हो सकती है।

भारतीय समाज में बरगद के पेड़ को अमरता का वृक्ष कहा जाता है। इसके जीवन को बढ़ाने वाली जड़ें बहुत लंबी होती हैं और वे इसकी शाखाओं को भी सहारा देती हैं। आयुर्वेद में बहुत-सी बीमारियों के उपचार के लिए बरगद के पेड़ का उपयोग होता है। पोषक तत्वों की भरपूर मात्रा होने के कारण बरगद के पेड़ से हमें स्वास्थ्य लाभ होता है। इसकी विशाल छाया में सैकड़ों



मनुष्य और पशु-पक्षी भी विश्राम करते हैं। बरगद हमारा राष्ट्रीय वृक्ष है। इसे बर, वड, बट, वट आदि नामों से भी जाना जाता है। हमें बरगद का रोपण और रक्षण करना चाहिए।



स्वाध्याय

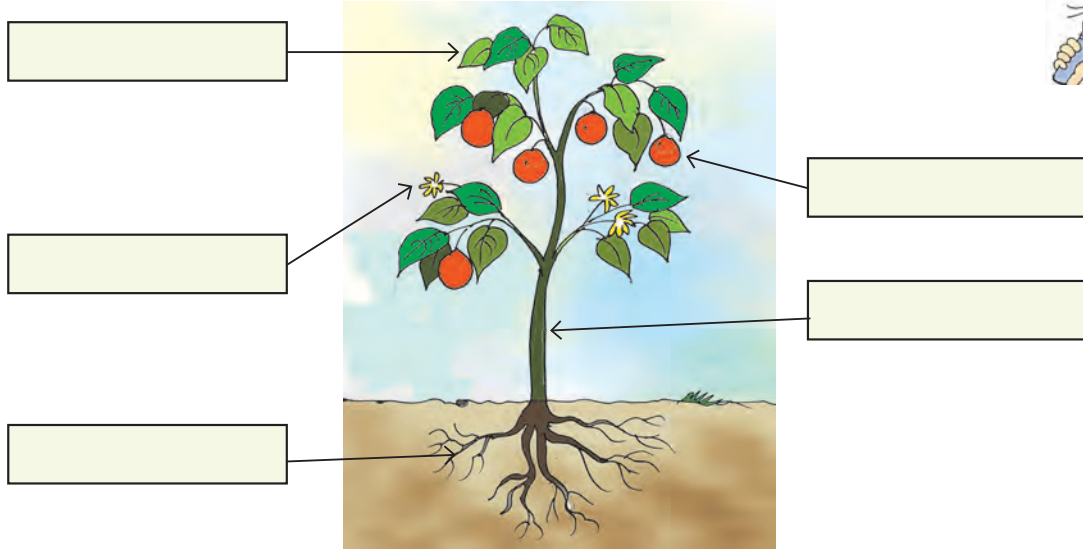


१. सुनो और समझो :

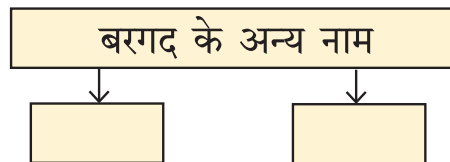
नीम	बबूल	पलाश	जामुन	नारियल
सुपारी	कदंब	बादाम	पीपल	गुलमोहर
अशोक	इमली	तुलसी	मोगरा	अडुळसा



२. पेड़ के अंगों के नाम बताओ :



३. आकृति में लिखो :



४. पेड़ का महत्व पढ़ो ।



५. किसी भी पेड़ से संबंधित दो पंक्तियाँ सुनाओ और लिखो :

.....

.....



तुमने कौन-सा
पौधा लगाया है ?

पेड़ जरूरी
क्यों हैं ?





जातक कथा – सुनो, समझो और पढ़ो :

७. परोपकार का फल

– अरविंद



एक राजा था । वह बड़ा ही न्यायप्रिय और दानी था । उसके कार्यों की चर्चा दूर-दूर तक थी । वह गुणी लोगों का आदर करता था ।

एक दिन राजा अपने विद्वान मंत्री के साथ जनता का



हाल-चाल जानने निकला । उसने एक बूढ़े आदमी को आम का पौधा लगाते देखा । राजा जानता था कि यह आम का पौधा लगभग दस वर्षों के बाद फल देगा । कौतूहलवश उस व्यक्ति के पास जाकर राजा ने कहा, “बाबा ! यह तो आम का पौधा है । इसमें फल आने तक क्या आप जीवित रहेंगे ?”

राजा की बात सुनकर बूढ़ा आदमी मुस्कुरा दिया । बड़ी सादगी के साथ उसने उत्तर दिया, “मैं अब तक दूसरों के लगाए पेड़ के मीठे फल खाता रहा । अब मेरी बारी है । मुझे भी दूसरों के लिए पेड़ लगाने चाहिए । सिर्फ अपने खाने के लिए पेड़ लगाना ठीक नहीं । हमें दूसरों के बारे में भी सोचना चाहिए ।”

बूढ़े आदमी के उत्तर से राजा बहुत खुश हुआ । उसने तुरंत सोने के दस चमचमाते सिक्के उसे इनाम में दिए । मुस्कुराते हुए बाबा ने कहा, “देखो न, पेड़ लगाए देर न हुई । इस पेड़ ने तो मुझे अभी फल दे दिया ।”

सच है, परोपकारी व्यक्ति महान होता है । उसे हर जगह यश और सम्मान मिलता है ।



स्वाध्याय



१. सुनो और समझो :

- (१) शहर - मुंबई, नागपुर, पुणे, नाशिक ।
 (२) पाठशाला - श्यामपट्ट, कक्षा, स्वच्छतागृह, मैदान ।
 (३) जंगल - जानवर, पेड़, पक्षी, पहाड़ ।
 (४) बरतन - थाली, गिलास, कटोरी, चम्मच ।



२. सही वाक्य बनाकर लिखो :

- (१) गुरु जी घर आओ/आइए ।
 (२) तुम मेरे साथ पढ़ो/पढ़िए ।
 (३) आप मुझे पेंसिल दो/दीजिए ।
 (४) हाथ जोड़कर नमस्ते करो/करिए ।



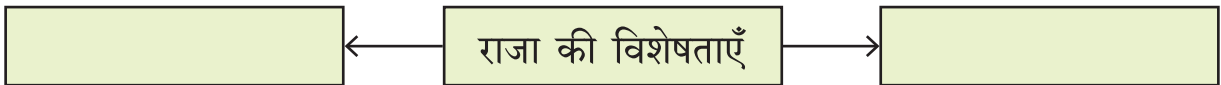
३. राजा और बूढ़े आदमी के संवाद कक्षा में कहलवाएँ ।

४. पढ़ो और लिखो :

- (१) एक अक्षर के शब्द - माँ, ,
 (२) दो अक्षर के शब्द - बेटा, ,
 (३) तीन अक्षर के शब्द - भारत, ,



५. आकृति में लिखो :



तुम्हें कौन-सा
फल पसंद है ?

फल खाने के
लाभ बताओ ।





लोरी - पढ़ो और गाओ :

द. सो जा, सो जा नन्ही मुनिया

- सूर्यकुमार पांडेय



नयनों में सपनों की परियाँ,
हर पल करें बसेरा ।
सो जा, सो जा नन्ही मुनिया,
प्यारा बचपन तेरा ।

तेरी पलकों पर खुशियों के,
फूल हजारों डोलें ।
कदम-कदम पर मिले सफलता,
अपनी बाँहें खोले ।

तुझको देख लौट आता है,
फिर से बचपन मेरा ।
सो जा, सो जा नन्ही मुनिया,
प्यारा बचपन तेरा ।

इस दुनिया के सुख-दुख से,
अनजानी तेरी बातें ।
तू खुश है, तो ममता खुश है,
दिन खुश है, खुश हैं रातें ।

शाम सुनाए लोरी तुझको,
गाए गीत सवेरा ।
सो जा, सो जा नन्ही मुनिया,
प्यारा बचपन तेरा ।



१. सुनो, समझो और दोहराओ :

क्ष	त्र	ज्ञ	श्र
क्षमा अक्षय	त्रिवेणी मित्र	ज्ञान विज्ञान	श्रवण विश्राम



२. पढ़ो और उनके नाम बताओ :

- (१) जादू दिखानेवाला -
- (२) मूर्तियाँ बनानेवाला -
- (३) गीत गानेवाला -



३. पढ़ो और रंगीन शब्दों को समझो :

- (१) मैं दूसरी कक्षा में पढ़ रहा हूँ ।
- (२) माँ ने पूछा, “कहाँ गई थी?”
मुनिया ने कहा “मैं खेलने गई थी ।”
- (३) बिल्ली चूहे की ओर लपकी और वह भाग गया ।
- (४) सोनू खेल रही है । उसकी सहेलियाँ बैठी हैं ।



४. एक शब्द में उत्तर लिखो :

- (१) गीत गाए -
- (२) सपनों में आती -



५. तुमने देखा हुआ कोई सपना कक्षा में सुनाओ ।

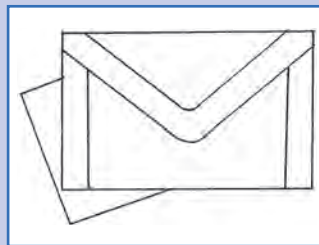


तुम्हें लोरी कौन सुनाता है ?





कृति - देखो, समझो और बनाओ :



९. बधाई पत्र

दि. / /

प्रिय मित्र / सहेली,

हर्ष / पूनम

तुम्हारे जन्मदिन के अवसर पर

हार्दिक शुभकामनाएँ !

तुम्हारा / तुम्हारी

.....



.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....





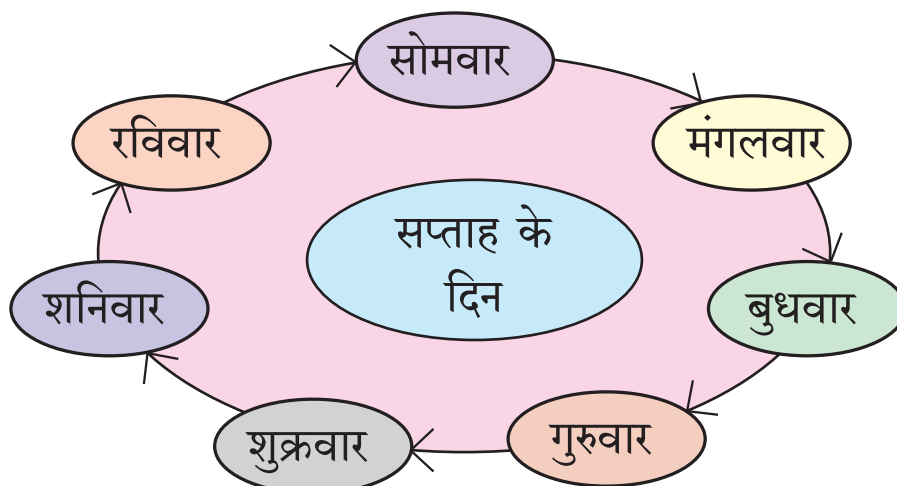
१. सुनो, समझो और दोहराओ :

- (१) अपना सामान सहेजकर रखो ।
- (२) मैदान में ही खेल खेलो ।
- (३) कतार से कक्षा में जाओ ।
- (४) नियमित पाठशाला जाओ ।
- (५) कक्षा में शांति बनाए रखो ।



२. सोचो और बताओ :

आज सोमवार है तो आने वाला कल, परसों, नरसों और बीता हुआ कल, परसों और नरसों दिन के नाम बताओ :



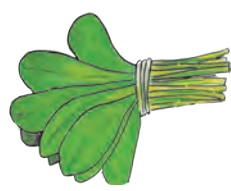
३. उचित वाक्य बनाकर पढ़ो :

यह			(१)
वह		है ।	(२)
मैं	परी	हैं ।	(३)
वे	परियाँ	हैं ।	(४)
हम			(५)



४. चित्र देखकर सब्जियों के नाम लिखो
और अपनी पसंद की सब्जी चुनकर उसका रंग बताओ :



५. पढ़ो और अक्षरों में लिखो :

५	१०	१५	२०	२५
३०	३५	४०	४५	५०

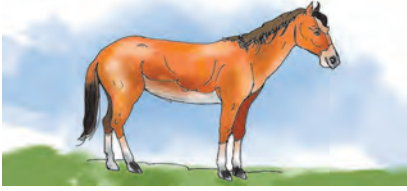




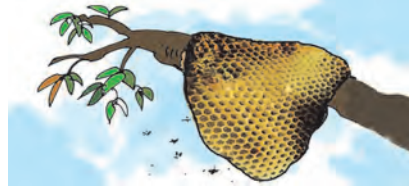
पूर्वानुभव – देखो, बताओ और जोड़ो :



* मेरा निवास



घोड़ा



छत्ता



कुत्ता



घोंसला



चूहा



अस्तबल



मधुमक्खी



कैनल



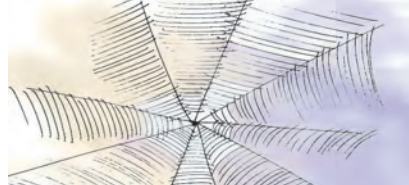
उल्लू



बिल



सिंह



जाला



बुलबुल



कोटर



मकड़ी



गुफा



चित्रवाचन - देखो, समझो और बताओ :



१. सार्वजनिक स्थान

डाकघर : गाँव-गाँव में हमारी सेवा उपलब्ध है ।



बैंक : हम आपकी आवश्यकता समझते हैं ।

